



राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

(राजस्थान सरकार का प्रतिष्ठान)

एसबीयू एण्ड पीसी रॉक फॉस्फेट,

झामरकोटड़ा खदान, उदयपुर – 313015

दूरभाष संख्या : Phone : 2342441-45, Fax : 0294-2342444

निविदा संख्या आरएसएमएम/फोस/श्र.क./केबल/18-19/01

दिनांक : 19.01.2019

निविदा प्रपत्र

आर.एस.एम.एम. लिमिटेड के एसबीयू एण्ड पीसी रॉक फॉस्फेट की झामरकोटड़ा खदान, उदयपुर (राज.) स्थित बेसकेम्प एवं बाघदड़ा आवासीय कॉलोनियों में निवासरत कर्मचारियों के आवासों में टी.वी. केबल कनेक्शन्स, सेट टॉप बॉक्स सहित, जिसमें 90 चैनल्स तथा जी.टी.वी., स्टार, सोनी एवं उदयपुर के समस्त स्थानीय चैनल्स सहित, के नियमित एवं सुचारू रूप से संचालन, देखभाल, मरम्मत आदि कार्य सम्पादित करना ।

जारीकर्ता

वरिष्ठ प्रबन्धक (वित्त एवं लेखा)

विपणन विभाग, कॉरपोरेट कार्यालय, आरएसएमएम लि.,

4-मीरा मार्ग, उदयपुर (राज.)

अहस्तांतरित निविदा प्रपत्र मूल्य (जीएसटी सहित) रु. 590/-

ऑनलाईन डाउनलोड करने की तिथि एवं समय : दिनांक 19.01.2019 को प्रातः 10.00 बजे से दिनांक 12.2.2019 को अपरान्ह 6.00बजे तक

ऑनलाईन निविदा जमा कराने की तिथि एवं समय : दिनांक 12.2.2019 को अपरान्ह 6.00बजे तक

संविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 13.02.2019 अपरान्ह 3.30 बजे

निविदा प्रपत्र का मूल्य : रु. 590/-

ई-निविदा प्रक्रिया शुल्क : रु. 500/-

धरोहर राशि : रु. 26,640/-

पंजीकृत कार्यालय
सी-89 जनपथ लाल
सी स्कीम, जयपुर 302015
दूरभाष: 0141-2743734
फैक्स: 0141-2743735

कॉरपोरेट कार्यालय
4 मीरों मार्ग, उदयपुर
दूरभाष: 0294-2428743/2414396
फैक्स: 0294-2428768/2428739

एसबीयू एण्ड पीसी-रॉकफॉस्फेट संभाग
झामरकोटड़ा रॉक फॉस्फेट माईन्स,
झामरकोटड़ा-313015, जिला उदयपुर
दूरभाष: 0294-2342441-45
फैक्स : 0294-2342444



राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

(राजस्थान सरकार का प्रतिष्ठान)

एसबीयू एण्ड पीसी रॉक फॉस्फेट,

झामरकोटड़ा खदान, उदयपुर – 313015

दूरभाष संख्या : Phone : 2342441-45, Fax : 0294-2342444

निविदा संख्या आरएसएमएम/फोस/श्र.क./केबल/18-19/01

दिनांक : 19.01.2019

निविदा सूचना

संस्थापित मान्यताप्राप्त ठेकेदारों जिनको निम्नलिखित कार्य को सम्पादित करने का अनुभव हो, से ऑन-लाईन प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते हैं जिनका विवरण निम्न प्रकार से है :- ।

कार्य का विवरण	बयाना राशि	कार्य की अवधि
आर.एस.एम.एम. लिमिटेड के एसबीयू एण्ड पीसी रॉक फॉस्फेट की झामरकोटड़ा खदान स्थित बेसकेम्प एवं बाघदड़ा आवासीय कॉलोनियों में निवासरत कर्मचारियों के लगभग 100 ± 10 प्रति 10 आवासों में (बेसकेम्प कॉलोनी 32 एवं बाघदड़ा कॉलोनी 68) टी.वी. केबल कनेक्टिन्स सेट टॉप बॉक्स सहित, जिसमें 80-90 चैनल्स तथा जी.टी.वी., स्टार, सोनी एवं उदयपुर के समस्त स्थानीय चैनल्स एवं अन्य चैनलों के संचालन, देखभाल, मरम्मत आदि के कार्यों को सम्पादित करने हेतु	रुपये 26640/-	तीन वर्ष,
निविदा प्रपत्र (अहस्तान्तरणीय) रुपये 590/-		
ई-निविदा प्रक्रिया भुल्क रु. 500 /-		
निविदा प्रपत्र ऑनलाईन डाउनलोड करने की तिथि एवं समय	दिनांक 19.01.2019 को प्रातः 10.00 बजे से	दिनांक 12.2.2019 को अपरान्ह 6.00बजे तक
ऑनलाईन निविदा जमा कराने की तिथि एवं समय	दिनांक 12.2.2019 को अपरान्ह 6.00बजे तक	
निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 13.02.2019 अपरान्ह 3.30 बजे	
विस्तृत निविदा सूचना तथा अन्य भातें www.rsmm.com , sppp.rajasthan.gov.in , www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है । निविदा प्रपत्र वेबसाईट से भी डाउनलोड किया जा सकता है ।		

निविदाओं को निम्न योग्यताओं के आधार पर आगे की प्रक्रिया के लिए प्रि-क्वालिफाइड किया जावेगा:

1- निविदाकर्ता का टर्नओवर कम से कम अन्तिम तीन वित्तीय वर्षों 2015-16, 2016-17 एवं 2017-18 में से किसी भी एक वित्तीय वर्ष में रु. 3,33,000/- का होना चाहिए ।

ई-निविदा के बारे में विस्तृत जानकारी ई-निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है जो कि www.rsmm.com, eproc.rajasthan.gov.in तथा sppp.rajasthan.nic.in पर उपलब्ध है ।

निविदा ऑनलाईन भरी जावेगी । टेंडर फीस व प्रोसेसिंग फीस किसी भी परिस्थिति में वापस नहीं दी जायेगी । धरोहर राशि निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं निविदा प्रक्रिया शुल्क का डिमाण्ड ड्राफ्ट ई

निविदा प्रस्ताव के साथ जमा कराने होंगे । निविदाकर्ता से अनुरोध है कि वह <https://eproc.rajasthan.gov.in> वेबसाईट पर दी गई जानकारीयों को पढ़ें तथा उनको समझ कर ऑनलाईन निविदा उसी के अनुसार भरें । इच्छुक व्यक्ति/कम्पनी /संस्था को निविदायें अहस्तान्तरणीय मूल्य/दर भाग में प्रस्तुत करनी होगी । प्राप्त निविदाओं उपरोक्तानुसार तिथि को संस्थान के कॉरपोरेट कार्यालय, उदयपुर में ऑनलाईन खोली जायेगी। प्रबन्धन बिना कोई कारण बताये निविदाओं को आंशिक या पूर्ण रूप से निरस्त कर सकता है । फ़ैक्स द्वारा भिजवाई गई निविदायें मान्य नहीं होगी ।

जिन निविदाकर्ताओं को कम्पनी द्वारा प्रतिबंधित या निलंबित कर दिया गया है, निलंबन के दौरान इस निविदा में भाग लेने के लिए योग्य नहीं होंगे ।

संस्थान किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण द ाये स्वीकार/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रखता है । इसके अलावा संस्थान निम्नतम दर को स्वीकार करने को बाध्य नहीं है । संस्थान डाक विलम्ब/देरी/कोटे ान के गुम होने के लिए जिम्मेदार नहीं है। निविदा जो फ़ैक्स/टैलेक्स/ईमेल द्वारा भेजी होने पर स्वीकार्य योग्य नहीं है । संस्थान का निर्णय अन्तिम और मान्य होगा ।

उप महाप्रबन्धक (कार्मिक एवं प्र ासन)

अनुभाग—प्रथम

1.00 परिभाषा

इस निविदा में दिये गये निम्नलिखित शब्दों का अर्थ इस प्रकार से है :

- 1.1 “आरएसएमएमएल” या कंपनी का अर्थ राजस्थान राज्य खान एवं खनिज लिमिटेड से है जिसका पजीकृत कार्यालय सी-89-90, लाल कोठी स्कीम, जयपुर-302015, राजस्थान है और कारपोरेट कार्यालय 4- मीरों मार्ग, उदयपुर- राजस्थान है। अनुबन्ध के उद्दे य से कार्यालय में अधिकृत प्रतिनिधी या assignees या उत्तराधिकारी को भी कंपनी की परिभाषा में सम्मिलित किया गया है ।
- 1.2. अनुबंधकर्ता : अनुबंध के अर्न्तगत व्यक्ति या व्यक्तियों, फर्म अथवा कंपनी जिसका टेण्डर कंपनी ने स्वीकृत कर लिया है और अनुबंधकर्ता की परिभाषा में अनुबंधकर्ता के वैधानिक प्रतिनिधि, प्र गसक, उत्तराधिकारी और एकजीक्यूटर को भी सम्मिलित किया गया है ।
- 1.3 वैधानिक दायित्व : खान/कार्य क्षेत्र से संबंधित मौजूदा कानूनों के अर्न्तगत आने वाले वैधानिक दायित्वों से है ।
- 1.4 स्वीकृति का अर्थ है कम्पनी/इन्जिनियर इन्चार्ज/ओआईसी द्वारा लिखित में अनुमोदन करने से है ।
- 1.5 प्राधिकरण अधिकारी : प्राधिकरण अधिकारी से तात्पर्य कंपनी के प्रबंध संचालक से है ।
- 1.6 प्रबंध संचालक : प्रबंध संचालक का अर्थ है आरएसएमएमएल के प्रबंध संचालक से है ।
- 1.7 अनुबंध : अनुबंध का अर्थ है कार्य को निष्पादित करने हेतु कंपनी और अनुबंधकर्ता के मध्य हुए एग्रीमेन्ट से है । इसमें सारे दस्तावेज जैसे अनुबंधकर्ता को आमंत्रित करने हेतु आमंत्रण पत्र, अनुबंधकर्ता को दिये गये निर्देश, अनुबंध की सामान्य स्थिति, अनुबंध की विशेष स्थिति, कार्यक्षेत्र, सामान्य आवश्यकताएं, कार्यावधि, कार्यादेश जारी करने हेतु लेटर ऑफ इन्टेन्ट, टेलीग्राम, टेलेक्स आदि को भी सम्मिलित किया गया है ।
- 1.8 अनुबन्ध दर व अनुसूची दर व निविदा दर व पारिश्रमिक की दर : का अर्थ निविदादाता द्वारा निविदा मे वर्णित शब्दों और अंकों में भरी गई दर से है और जिसे कंपनी ने अनुबंध और अनुबन्ध में आने वाले सभी दायित्वों का अनुबन्धकर्ता के द्वारा निष्पादन हेतु स्वीकृत किया है ।
- 1.9 आफिसर इन्चार्ज का अर्थ : कंपनी का नामित अधिकारी जो इस कार्य का समग्र पर्यवेक्षण, समन्वय, निर्देशन और समय-समय पर, इस कार्य हेतु प्रशासन करेगा, से है ।
- 1.10 समूह महा प्रबन्धक (संविदा) : का अर्थ है आरएसएमएमएल संविदा विभाग के समूह महा प्रबंधक संविदा से या कंपनी द्वारा नामित अधिकारी जो आफिस में समूह महा प्रबंधक – संविदा का उत्तराधिकारी हो को शामिल किया गया है ।
- 1.11 समूह महा प्रबंधक (फोस) : का अर्थ है समूह महा प्रबंधक झामरकोटडा रॉक फॉस्फेट, आरएसएमएमएल या कंपनी द्वारा नामित अधिकारी जो आफिस में समूह महा प्रबंधक(फोस)का उत्तराधिकारी हो को शामिल किया गया है ।
- 1.12 एजेन्ट : आरएसएमएमएल, झामरकोटडा रॉक फॉस्फेट में खान अधिनियम के तहत नामित अधिकारी ।

- 1.13 खान प्रबन्धक : आरएसएमएमएल, झामरकोटडा रॉक फॉस्फेट संभाग का माईनिंग अभियन्ता
- 1.14 LOA /DLOA : से तात्पर्य निविदादाता को लेटर/ टेलीग्राम/ टेलेक्स/फेक्स द्वारा सूचना देने से है, कि निविदादाता की निविदा कंपनी द्वारा स्वीकृत कर ली गई है । यह स्वीकृति लेटर/टेलेक्स/फेक्स में दिये गये प्रावधान अनुसार है ।
- 1.15 लिखित सूचना : जो या तो टाईप कराकर या मुद्रित कराकर पंजीकृत डाक द्वारा निविदादाता के अन्तिम ज्ञात व्यावसायिक प्रतिष्ठान के पते पर रजिस्टर्ड/हेड/लोकल ऑफिस के पते पर भेजने से है ।
- 1.16 साईट का अर्थ भूमि या अन्य स्थान से हैं, जहाँ निविदादाता को कंपनी द्वारा दिया गया कार्य, कार्यादेश अनुसार करने से है ।
- 1.17 टेण्डर : NIT की एवज में निविदादाता द्वारा दी गई निविदा, बाद में किये गये विचार विमर्श, वार्तालाप, जो कंपनी और निविदादाता के बीच में हुआ है को सम्मिलित किया जायेगा ।

अनुभाग – द्वितीय

सामान्य नियम एवं शर्तें :

1.0 निविदा प्रस्तुत करना :

- i. निविदाकर्ता अपनी निविदा राजस्थान सरकार की वेबसाईट <http://eproc.rajasthan.gov.in> पर इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से ऑन-लाईन ही प्रस्तुत कर सकते हैं । अन्य किसी माध्यम से निविदा स्वीकार नहीं की जावेगी ।
- ii. निविदाकर्ता इस विषय की विस्तृत जानकारी उपरोक्त वेबसाईट पर दिये गये लिंक पर दी गई जानकारी से प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।
- iii. इच्छुक निविदाकर्ता को स्वयं को उपरोक्त ई-निविदा पोर्टल पर पंजिकृत कराना आवश्यक होगा तत्पश्चात् ही ई-निविदा को ऑन-लाईन भरने के लिए पात्र होगा ।
- iv. इच्छुक निविदाकर्ता के पास ई-निविदा प्रक्रिया को सम्पादित करने के लिए भारत सरकार के आई.टी. एक्ट 2000 के प्रावधानों के तहत डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण-पत्र होना आवश्यक है एवं ई-निविदा के सभी दस्तावेज आदि डिजिटली हस्ताक्षरित करने होंगे जिसके बगैर उपरोक्त निविदा प्रक्रिया स्वीकृत नहीं होगी ।
- v. डाउनलोड किये गये ई-निविदा प्रपत्र में किसी भी प्रकार का संशोधन, निविदाकर्ता द्वारा नहीं किया जावेगा एवं उल्लंघन की स्थिति में ऐसी निविदा को निरस्त माना जायेगा ।
- vi. निविदा का सम्पूर्ण विवरण एवं प्रपत्र उपरोक्त वेबसाईट पर अपलोड कर दिया गया है, जिसको निविदाकर्ता द्वारा डाउनलोड किया जावेगा ।
- vii. निविदाकर्ता द्वारा सभी संलग्न दस्तावेज तथा निविदा प्रपत्र स्वयं द्वारा हस्ताक्षरित, मोहरबन्द किया जाना आवश्यक है तत्पश्चात् उपरोक्त दस्तावेजों व निविदा प्रपत्र डिजिटली हस्ताक्षरित कर संबंधित वेबसाईट पर ऑनलाईन अपलोड करना है ।
- viii. उपरोक्त दस्तावेजों के साथ में ई-निविदा प्रपत्र भुलक ई-निविदा प्रक्रिया भुलक तथा बयाना राशि की स्कैन कापी को भी अपने ई-निविदा प्रस्ताव के साथ अपलोड करना आवश्यक है । उपरोक्त तीनों भुलकों के बारे में विवरण अथवा डी.डी. की स्कैन कापी अपलोड न करने पर ई-निविदा मान्य नहीं होगी ।
- ix. उपरोक्त तीनों भुलक तथा निविदा प्रपत्र की पात्रता के अनुसार तीनों वांछित मूल भाषण पत्र को वरिष्ठ प्रबन्धक (वित्त एवं लेखा), विपणन विभाग, आरएसएमएमएल, कॉरपोरेट कार्यालय, को नियत तिथि व समय पर या उससे पूर्व करेगा । इन प्रपत्रों के उपर निविदाकर्ता अपना नाम, टेलीफोन नम्बर तथा निविदा संख्या एवं कार्य का विवरण साफ-साफ अक्षरों में अंकित करेगा । निविदा प्रपत्र नियत समय पर प्रस्तुत न करने की अवस्था में किसी भी प्रकार का विलम्ब होने पर निविदा स्वीकार नहीं की जावेगी ।
- x. ई-निविदा प्रक्रिया भुलक इस निविदा के लिए रु. 500/- निर्धारित जो की एमडी आर.आई. एस.एल जयपुर के नाम देय होगी । निविदा प्रपत्र का मूल्य तथा निर्धारित बयाना राशि डी.डी. आरएसएमएमएल उदयपुर के पक्ष में देय होगी ।
- xi. ई-निविदा पोर्टल <http://eproc.rajasthan.gov.in> बोली से सम्बन्धित सभी प्रक्रिया के लिये इस्तेमाल किया जायेगा । तकनीकी बोली फार्म ओर मूल्य बोली फार्म डाउनलोड करने के लिए निर्धारित प्रारूप में उपलब्ध हो जायेगा । पंजिकृत बोली दाताओं ई टेण्डर प्रणाली में लॉग इन करें ओर बोली फार्म डाउनलोड कर सकते हैं ।
- xii. प्रत्येक निविदाकर्ता केवल एक ही निविदा प्रस्तुत करेगा या तो व्यक्तिगत रूप से या एक साझेदारी फर्म या एक निजी रूप/पब्लिक लिमिटेड कम्पनी या एक सहकारी समिति ।
- xiii. निविदाकर्ताओं को अपने स्वयं के हित में निविदा दस्तावेज पूरी तरह से ओर ध्यान से पढ़ने के लिए सलाह दी जाती है ।
- xiv. निविदाकर्ता द्वारा स्थान एवं परिसर आदि का निविदा प्रपत्र भरने से पूर्व स्वयं को पूर्ण रूप से अवगत कर लेना चाहिए तथा इस सम्बन्ध में यदि कोई जानकारी चाहिए तो उप महाप्रबन्धक (कार्मिक एवं प्रशासन) से प्राप्त कर सकते हैं । निविदा प्रपत्र खोलने के बाद किसी भी प्रकार की अनभिज्ञता एवं आपत्ति/ संशोधन स्वीकार नहीं किया जावेगा । इस

- निविदा के तहत कार्य की दरों के सम्बन्ध में प्राप्त निविदा दरों को ही अन्तिम माना जावेगा एवं निविदा दरों में किसी प्रकार का नेगोशियेड मान्य नहीं होगा ।
- xv. राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 के सभी प्रावधान इस निविदा पर लागू होते हैं ।
- xvi. कम्पनी देरी , हानि या पोस्ट/कूरियर सेवा के माध्यम से भेजा आवेक दस्तावेज न मिलने के लिए कोई जिम्मेदारी नहीं लेती है ।

2.0 तकनीकी- वाणिज्यिक निविदा :

- तकनीकी वाणिज्यिक निविदा के रूप में निविदा दस्तावेज में निर्धारित निम्न दस्तावेजों को ऑन लाईन अपलोड किया जाना चाहिए ।
- 2.1 फार्म – ए जिसमें निविदाकर्ता से संबंधित सामान्य सूचना हैं ।
- 2.2 धरोहर राशि का विवरण निविदादाता के लेटर हेड पर होना चाहिए । धरोहर राशि का डिमाण्ड ड्राफ्ट भी संलग्न करना होगा ।
- 2.3 भविष्य निधि खाता संख्या की प्रति फार्म-अ के साथ संलग्न करें या अण्डरटेकिंग दें एनेक्सर-प्रथम के आधार पर ।
- 2.4 शपथपत्र की दर निविदा निर्धारित फारमेट में है और कोई भी शर्त उसके साथ संलग्न नहीं की गई है ।
- 2.5 पावर ऑफ अटोर्नी जो अधिकृत प्रतिनिधी के संदर्भ में हो जो निविदा प्रपत्र पर हस्ताक्षर करेगा ।
- 2.6 समामेलन का प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति/मेमोरेन्डम और आर्टिकल ऑफ एसोसिएशन ,साझेदारी सलेख की सत्यापित प्रति भी संलग्न करें ।
- 2.7 पेन कार्ड, सेवाकर के रजिस्ट्रेशन की छाया प्रति संलग्न करें ।
- 2.8 शपथ पत्र प्रस्तुत करें कि पूर्व में आरएसएमएमएल द्वारा निलंबित या प्रतिबंधित नहीं किया गया है ।
- 2.9 अंकेक्षित बेलेंस शीट एवं पी एण्ड एल अकाउन्ट की प्रमाणित कॉपी जो टर्नऑवर दिखाने हेतु । इन दस्तावेजों को नोटेरी पब्लिक/प्रथम श्रेणी राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित/सत्यापित करवाना होगा ।
- 2.10 दस रूपये मूल्य के गैर न्यायिक स्टाम्प पेपर पर निर्धारित एनेक्सचर-द्वितीय के अनुसार शपथ पत्र देना होगा ।

3.0 Price Offer :

- i. कार्य की दरें ऑन-लाईन भरनी है। निविदाकर्ता अपनी प्रस्तावित दरें पोर्टल पर उपलब्ध निविदा के BOQ फार्म में ही भरें।
- ii. द्वितीय भाग कार्य की दरें ऑन लाईन निविदा भरने का प्रफॉर्मा के अनुसार है । निविदाकर्ता BOQ को वेबसाईट से डाउनलोड कर अपनी दर प्रस्ताव को भरने के पश्चात अपलोड करेगा । किसी भी स्थिति में निविदाकर्ता द्वारा दिये गये सेम्पल दर प्रस्ताव फोरमेट (जो कि मात्र निविदाकर्ता की जानकारी हेतु संलग्न किया गया है) में दर इंगित करना निशेध है । इस स्थिति में निविदा निरस्त मानी जावेगी ।
- iii. निविदाकर्ता कार्य की दरें प्रथम भाग या किसी अन्य लिफाफे में या अन्य माध्यम से प्रस्तुत नहीं करें ऐसे प्रस्ताव मान्य नहीं होंगे तथा निविदाकर्ता यदि अपनी दरें निविदा के किसी भाग में इंगित करता है तो इस अवस्था में इस निविदाकर्ता को स्वतः ही निरस्त माना जावेगा ।
- iv. प्रथम तकनीकी वाणिज्यिक भाग में सफल निविदाकारों को सूचीबद्ध किया जावेगा एवं मात्र सफल सूचीबद्ध निविदाओं का ही द्वितीय भाग (कार्य की दरों से सम्बन्धित) खोला जायेगा ।

सफल निविदाकारों को द्वितीय भाग खोलने की तिथि के बारे में अलग से अवगत करा दिया जायेगा ।

- 4.0 **निविदा की वैधता :** निविदाकर्ता द्वारा प्रस्तुत निविदा की अवधि 120 दिन के लिए मान्य होगी । इस वैधता अवधि या बढ़ाई गई वैधता अवधि में कोई भी परिवर्तन या संशोधन या निरस्तीकरण निविदा में नहीं किया जा सकेगा । लेकिन अगर निविदादाता ऐसा करता है तो ऐसे निविदादाता की धरोहर राशि को जब्त कर लिया जायेगा । अगर निविदादाता कार्य को स्वीकार करने या कार्य को निर्धारित समय में नहीं करता है तो निविदादाता की धरोहर राशि/अमानत राशि को जब्त कर लिया जायेगा ।
- 5.0 **धरोहर राशि :**
- 5.1 निविदाकर्ता निर्धारित धरोहर राशि रु. 26,640/- (रुपये छब्बीस हजार छः सो चालिस मात्र) का डिमाण्ड ड्राफ्ट/पे आर्डर/बैंकर्स चेक, आरएसएमएमएल, उदयपुर के पक्ष में देय हो। यह डीडी/पे आर्डर/ बैंकर्स चेक तकनीकी-वाणिज्यिक निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। धरोहर राशि किसी अन्य रूप में स्वीकार नहीं की जायेगी । बिना धरोहर राशि के प्राप्त निविदा को स्वीकार नहीं किया जायेगा ।
- 5.2 धरोहर राशि पर किसी प्रकार का ब्याज देय नहीं होगा ।
- 5.3 सफल निविदाकर्ता की प्रार्थना पर धरोहर राशि को अमानत राशि में भी समायोजित किया जा सकता है। असफल निविदाकर्ता जो तकनीकी-वाणिज्यिक निविदा के मूल्यांकन में असफल हो गये हैं उनकी धरोहर राशि जल्द से जल्द लौटा दी जायेगी । बाकी बचे हुए निविदाकर्ता की धरोहर राशि सफल निविदाकर्ता को LOA/DLOA जारी करने के बाद लौटायी जायेगी ।
- 5.4 बिना धरोहर राशि के निविदा को स्वीकार नहीं किया जायेगा । धरोहर राशि अन्य रूपों में जैसे चेक से, बैंक गारण्टी, एफडीआर आदि रूपों में स्वीकार्य नहीं है।
- 5.5 निम्नलिखित कारणों/दशाओं में धरोहर राशि को जब्त कर लिया जायेगा:
- I. अगर निविदादाता, निविदा को, निविदा की वैधता अवधि में संशोधित या निरस्त करता है, तब ।
 - II. अगर निर्धारित समयावधि में निविदादाता द्वारा अमानत राशि जमा नहीं की जाती है ।
 - III. अगर निर्धारित समयावधि में निविदादाता द्वारा निर्धारित प्रारूप में एग्रीमेन्ट नहीं किया है तब
 - IV. अगर निविदादाता द्वारा निविदा में कोई गलत सूचना/गलत दस्तावेज/ गलत सत्यापन दस्तावेजों का किया है तो ।
 - V. अगर निविदादाता द्वारा निर्धारित समयावधि में कार्य शुरू नहीं किया जाता है या कंपनी द्वारा दिये गये ऑफर को स्वीकार नहीं किया है या स्वीकार करने के बाद निर्धारित समयावधि में कार्य शुरू नहीं किया है तो
- 6.0 **अमानत राशि :** अमानत राशि कुल अनुबंधित राशि (Total Contract Value) की 10 प्रतिशत होगी, जो कि बैंक गारण्टी/अथवा डीडी द्वारा देय होगी । बैंक गारण्टी उचित मूल्य के नॉन ज्युडिसियल स्टॉम्प पेपर (प्रचलित स्टाम्प ड्यूटी अधिनियम) कम्पनी द्वारा निर्धारित प्रारूप में (एसबीआई को छोड़कर

किसी भी पीएसयू बैंक से/आईसीआईसीआई/एक्सिस/एचडीएफसी बैंक से दी जा सकती है, जो सफल अनुबन्धकर्ता को कार्यादेश जारी होने के 30 दिन की अवधि में जमा करानी होगी अन्यथा अमानत राशि डीमाण्ड ड्राफ्ट के रूप में 10 प्रतिशत होगी।

- 6.1 अमानत राशि को अनुबंध अवधि के समाप्त होने के छः माह बाद लौटायी जायेगी लेकिन अनुबन्धकर्ता को अनुबंध से संबंधित उसके सारे दायित्व पूरे करने होंगे और कोई बकाया नहीं प्रमाण पत्र कंपनी को प्रस्तुत करना होगा।
- 6.2 कंपनी को पूर्ण अधिकार होगा कि वह पूर्णतया एवं आंशिकतौर पर अमानत राशि को जब्त कर सकती है तब जब अनुबन्धकर्ता या तो अनुबंध के अधीन अपने दायित्व पूरे नहीं करें या कंपनी से संबंधित सभी देयताओं को कंपनी को भुगतान करने में असफल हो।
- 6.3 अगर अनुबन्ध अवधि के दौरान किसी भी कारणवश अमानत राशि कम पडती है तो अनुबंधकर्ता को अतिरिक्त अमानत राशि जमा करानी पडेगी। कंपनी अमानत राशि की पूर्ति अनुबंधकर्ता के मासिक बिलों में से भी कर सकती है।
- 6.4 अमानत राशि पर कोई ब्याज देय नहीं होगा।

7.0 वार्ता –Negotiations :

- 7.1 कम्पनी द्वारा केवल न्यूनतम दर प्रस्ताव (एल-1) देने वाले निविदाकर्ता से नेगोसिये किया जा सकता है। न्यूनतम दर प्रस्ताव देने वाले निविदाकर्ता के दर प्रस्ताव को उपयुक्त न पाने की अवस्था में कम्पनी प्रबन्धन लिखित काउन्टर ऑफर द्वारा न्यूनतम निविदाकर्ता को अपना प्रस्ताव देने पर विचार कर सकती है और यदि यह प्रस्तावत स्वीकार नहीं किया जाता है तो कम्पनी या तो निविदा प्रक्रिया को निरस्त कर पुनः निविदा आमंत्रित करेगी अथवा उसी काउन्टर ऑफर को द्वितीय न्यूनतम दर प्रस्ताव देने वाले निविदाकर्ता (एल-2) को तत्पश्चात तृतीय न्यूनतम दर प्रस्ताव देने वाले निविदाकर्ता (एल-3) को दर प्रस्ताव प्रक्रिया के उपरोक्त क्रमानुसार दिया जावेगा। जो भी निविदाकर्ता इस प्रक्रिया के अनुसार (Counter Offer) स्वीकार करेगा उसे कम्पनी द्वारा कार्यादेश जारी किया जा सकता है।
- 7.2 अगर निविदाकर्ता द्वारा नेगोशियेशन के दौरान दिया हुआ दर प्रस्ताव उसके प्रारम्भिक दर प्रस्ताव से अधिक है तब भी निविदाकर्ता पूर्व में भरी हुई कम दर प्रस्ताव पर कार्य करने हेतु बाध्य होगा।
- 7.3 नेगोशियेशन के दौरान निविदाकर्ता के प्रतिनिधि को निविदाकर्ता द्वारा लिखित सहमति/अधिकार पत्र (Written Authority) प्रस्तुत करना होगा, जिसमें कि यह स्पष्ट वर्णित होगा कि उसका प्रतिनिधि निविदा प्रपत्र में भरी हुई दर प्रस्तावत को संशोधित/बदलने के लिए प्राधिकृत हैं।

8.0 कार्यादेश जारी करना :

सफल निविदादाता को कंपनी द्वारा स्वयं सूचना दे दी जाएगी की उसकी निविदा कंपनी ने स्वीकार कर ली है। और इसके बाद सफल निविदादाता को निर्धारित फारमेट में कंपनी के साथ एग्रीमेन्ट करना होगा। यह सब अनुबंधकर्ता की लागत पर होगा और इसमें निविदाप्रपत्र, कार्यादेश, सम्मिलित होगा। एग्रीमेन्ट का फारमेट आरएसएमएमएल द्वारा दिया जाएगा।

9.0 Rate and Tax deduction at source :

- i. निविदाकर्ता को प्रस्तुत दरो में वस्तु एवं सेवा कर (Goods and Service Tax) सम्मिलित नहीं करना होगा अन्य सभी प्रकार की ड्यूटी शामिल करनी होगी जो की निविदा की अंतिम तिथि तक लागु हो। प्रस्तुत दरे कार्य अविधि के दौरान स्थिर रहेंगी एवं निविदा में वर्णित शर्तों के अतिरिक्त अन्य किसी प्रकार की वृद्धि देय नहीं होगी।

- ii. वस्तु एवं सेवा कर का समय से भुगतान करना एवं टैक्स रिटर्न समय से जमा करवाने की सम्पूर्ण जिम्मेदारी कांट्रेक्टर की रहेगी । इसके तहत प्राप्त निर्धारित क्रेडिट RSMML को मिले यह सुनिश्चित करना भी कांट्रेक्टर का कार्य होगा ।
- iii. यदि किसी कारणवश RSMML को क्रेडिट नहीं मिलता है तो कंपनी कांट्रेक्टर को देय बिल / सिक्योरिटी डिपोजिट में से यह क्रेडिट राशि कटौती करने के लिए स्वतंत्र रहेगी ।
- iv. कार्य के लिए देय भुगतान के GST return भरने में हुई गलती या देरी एवं Reversal of input tax credit (ITC) कारण पेनेल्टी लगने की परिस्थिती में देय राशि का भुगतान कांट्रेक्टर द्वारा किया जायेगा यदि ऐसा नहीं होता है तो कंपनी यह राशि कांट्रेक्टर को देय राशि में से कटौती / समायोजित कर सकती है ।
- v. निविदादाता को निविदा दर भरते समय जीएसटी के अतिरिक्त सभी प्रकार के ड्यूटी एवं लेवीज, जो इस कार्य से संबंधित हो जोड़कर भरनी होगी । इस विषय में अनभिज्ञता अगर निविदादाता द्वारा दर्शायी गयी, तो वह अतिरिक्त पेमेन्ट इस एवज में प्राप्त करने का अधिकार नहीं रखता है ।
- vi. अगर निविदा भरने के बाद कर एवं ड्यूटी बढ़ती है या घटती है या निरस्त हो जाती है या नयी इम्पोज की जाती है और जो अनुबंधित कार्य से संबंधित है तो आरएसएमएमएल अनुबंधकर्ता से कर एवं ड्यूटी की वसूली करेगा या अनुबंधकर्ता को इन करों एवं ड्यूटी की क्षतिपूर्ति करेगा लेकिन इसके लिए अनुबंधकर्ता को कंपनी को इससे संबंधित दस्तावेज देने होंगे । कंपनी को आयकर या अन्य कर जो इस कार्य से संबंधित हो की कटौती करने का पूर्ण अधिकार है ।

10.0 संस्थान के सुरक्षित अधिकार –

- 10.1 किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को स्वीकार/ निरस्त करने का पूर्ण अधिकार होगा , बिना किसी कारण बताये ।
- 10.2 संस्थान निम्नतम दर को स्वीकार करने को बाध्य नहीं है बिना कारण दर्शाये ।
- 10.3 संस्थान कार्य की मात्रा को बढ़ाने/घटाने का एवं अनुबंध अवधि को बढ़ाने/ घटाने का अधिकार रखती है, बिना किसी अतिरिक्त दायित्व के ।
- 10.4 कार्य के किसी भाग को न कराने का अधिकार रखती है ।
- 10.5 अगर साबित होता है कि निविदादाता ने कोई गलत सूचना दी है या जाली दस्तावेज प्रस्तुत किये हैं तो कंपनी ऐसे निविदादाता की निविदा को निरस्त करने का अधिकार रखती है । कंपनी इन अधिकारों का प्रयोग कार्यादे । जारी करने के पूर्व कर सकती है । कंपनी को इस संदर्भ में निविदादाता को सूचना देना अनिवार्य नहीं होगा ।

11.0 निष्पादन मूल्यांकन करने का अधिकार :

- 11.1 कंपनी को यह अधिकार है कि वह अनुबंध अवधि में अनुबंधकर्ता द्वारा किये गये कार्य का निष्पादन मूल्यांकन कर सकती है। अगर यह पाया जाता है कि अनुबंधकर्ता कार्य को निष्पादित करने हेतु असफल है या उसके द्वारा किया गया कार्य उच्च श्रेणी का नहीं है या यह पाया जाता है कि अनुबंधकर्ता द्वारा अनुबंध की कोई शर्तों की पालना नहीं की गई है तो उस दशा में कंपनी को यह अधिकार है कि वह उचित कार्यवाही अनुबंधकर्ता पर कर सकती है और अनुबंध को निरस्त करने एवं अमानत राशि को जब्त करने का अधिकार भी कंपनी का सुरक्षित है ।
- 11.2 कंपनी को यह अधिकार है कि अगर अनुबंधकर्ता के खराब निष्पादन या अनुबंध की किसी शर्त की अवहेलना करने से कंपनी को कोई नुकसान होता है तो ऐसे नुकसान की भरपाई अनुबंधकर्ता की अमानत राशि से एवं अनुबंधकर्ता की बकाया राशि से किया जा सकता है । कंपनी को यह अधिकार है कि वह अनुबंधकर्ता की रिस्क और कॉस्ट पर यह कार्य किसी अन्य एजेन्सी

से करा सकती है ,अगर अनुबंधकर्ता निरन्तर तीन दिन से ज्यादा तक कार्य करने में असफल रहता है तो यह कार्य अन्य एजेन्सी द्वारा कराया जा सकता है और अन्य एजेन्सी की दरें अलग पायी जाती है तो अन्तर की राशि अनुबन्धकर्ता द्वारा देय होगी ।

12.0 जुर्माना (Fine) –

- 1) सम्पूर्ण केबल कनेक्शन प्रदाता 24 घन्टे में सम्पूर्ण केबल को सुधारा जाना आवश्यक है । केबल कनेक्शन में खराबी होने या टी.वी.नेटवर्क कार्य नहीं करने पर प्रतिदिन रू.1500/– की शास्ति लगाई जा सकेगी, परन्तु यदि किसी विशेष कनेक्शन में ित्कायत आने पर प्रदाता को 24 घन्टे में कनेक्शन को सुधारा जाना आवश्यक है । ऐसी स्थिति में रू. 100/– प्रति कनेक्शन प्रतिदिन की भास्ति लगाई जायेगी ।
- 2) अनुबन्धित कार्यों को निविदा की शर्तों के अनुरूप नियमित रूप निष्पादित नहीं किये जाने की स्थिति में अनुबन्धकर्ता की जोखिम एवं लागत पर वैकल्पिक व्यवस्था की जा सकती है, इस सम्बन्ध में जो भी राशि व्यय होगी वह अनुबन्धकर्ता से वसूल की जावेगी ।
- 3) जीएसटी नियमों के अन्तर्गत जीएसटी के अतिरिक्त जीएसटी क्षतिपूर्ति वसूल किया जावेगा (GST on compensation in addition to above compensation will also be charged as per prevailing GST Rules) ।

13.0 अनुबंध को निरस्त करना

- 13.1 अगर अनुबन्धकर्ता अनुबंध की भातों के अनुसार कार्य करने में असफल रहता है तो कंपनी अनुबंधकर्ता को लिखित सूचना देकर कार्य को सात दिन के अन्दर-अन्दर सही करने का आदेश दे सकता है । अगर सात दिन के अन्दर भी कार्य को सही करने में अनुबन्धकर्ता असफल रहता है तो कंपनी अनुबंध को निरस्त करने और धरोहर राशि/अमानत राशि को जब्त करने का अधिकार रखती है । अनुबंध का निरस्तीकरण अनुबंधकर्ता की अनुबंध के अन्तर्गत आने वाले उत्तरदेयता को समाप्त नहीं करता है ।
- 13.2 अनुबंध उस दशा में भी निरस्त किया जा सकता है अगर अनुबंधकर्ता दिवालिया घोषित हो गया है या उसका व्यापार बन्द हो गया है ।
- 13.3 कंपनी किसी भी समय कभी भी बिना किसी कारण बताये 15 दिन का नोटिस देकर, जो उसके अन्तिम बताये गये पते पर देकर अनुबंध निरस्त कर सकती है । ऐसी दशा में अनुबंधकर्ता किसी भी कम्पनसेशन की मांग कंपनी को नहीं कर सकता है ।

14.0 भविष्य निधि :

- 14.1 इस कार्य से संबंधित कर्मचारी के प्रति अनुबंधकर्ता स्वयं भविष्य निधि अधिनियम, 1952 एवं समय-समय पर संशोधित नियमों की पालना करने के लिए उत्तरदायी है, यदि नियमानुसार भविष्य निधि अधिनियम लागू है तो ।
- 14.2 भविष्य निधि अधिनियम, 1952 के अनुसार अनुबंधकर्ता को अपने आपको रीजनल प्राविडेण्ट फण्ड कमिशनर (RPFCL)के अन्तर्गत रजिस्टर्ड करवाना होगा अगर उसने रजिस्ट्रेशन अभी नहीं करवा रखा है तो । निविदादाता को आरपीएफसी आफिस से प्राप्त भविष्य निधि रजिस्ट्रेशन नम्बर की प्रति कार्य प्रारंभ करने से पहले कंपनी को प्रस्तुत करनी होगी अगर वह नहीं देता है तो अनुबंध निरस्त किया जा सकता है ।

- 14.3 अगर निविदादाता पर ईपीएफ एण्ड एमपी अधिनियम लागू नहीं होता है लेकिन कान्ट्रैक्ट लेबर (R&A) की एप्लीकेबिलिटी के कारण कर्मचारियों के वेतन में से काटे गये भविष्य निधि व नियोक्ता का अंश जमा कराना है, तो वह आरएसएमएमएल के पीएफ ट्रस्ट में 1.10% प्रतिशत प्रशासनिक चार्ज सहित जमा करा सकता है। इस हेतु उसे एक शपथ पत्र एनेक्सचर- प्रथम के फारमेट में उचित मूल्य के नोन-ज्युडिशियल स्टाम्प पेपर पर देना होगा। यह उसे तकनीकी वाणिज्यिक निविदा के साथ संलग्न करना होगा।
- 14.4 उसको हर मासिक बिल/अन्तिम बिल के साथ एक विवरण देना होगा जिसमें श्रमिक/कर्मचारी का नाम, अनुबंधकर्ता द्वारा उसको दिया गया पारिश्रमिक का विवरण, काटी गयी भविष्य निधि की राशि। एवं नियोक्ता द्वारा किये गये अंश जमा का विवरण, राशि जो आरपीएफसी आफिस/ट्रस्ट में हर कर्मचारी/श्रमिक के नाम पर जमा कराई गई है उसका विवरण देना होगा और चालान की कापी पिछले माह की मासिक बिलों के साथ संलग्न करनी होगी।
- 15.0 न्यायिक और वैधानिक बाध्यता :**
- 15.1 अनुबंधकर्ता को कार्य वर्तमान में लागू सभी मान्य अधिनियम, नियम एवं उप नियम के अर्न्तगत करना होगा।
- 15.2 अनुबंधकर्ता के पास वैध श्रम लाइसेंस की प्रति होनी चाहिए और भविष्य निधि की राशि की कटौती उसके द्वारा नियुक्त कर्मचारी/श्रमिक के वेतन में से करनी होगी। भविष्य निधि की कटौती एवं जमा का प्रमाण पत्र आरएसएमएमएल को देना होगा।
- 15.3 अनुबंधकर्ता सभी कर्मचारियों/श्रमिकों जिसे उसने इस कार्य हेतु लगाया है के लिए जिम्मेदार होगा और सारे इक्वीपमेन्ट जो उसने इस कार्य को करने हेतु उपयोग में लिया है के प्रति वह स्वयं जिम्मेदार होगा।
- 15.4 निविदाकर्ता कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम,1923, कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952, ग्रेच्युटी एक्ट,1972, कान्ट्रैक्ट लेबर (Regulation & Abolition) अधिनियम, 1970 मजदूरी अधिनियम, 1936, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948, बोनस अधिनियम,1965,भारतीय रेलवे अधिनियम, 1890, फेटलएक्सीडेण्ट अधिनियम, 1855, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, माईन्स अधिनियम, आरटीपीपी एक्ट, फेक्टरी अधिनियम और अन्य केन्द्रीय और राज्य अधिनियम अथवा उप नियमों की पालना करनी होगी। अनुबंधकर्ता सभी रिकार्ड रखेगा जो उपबन्ध, नियम, अधिनियम के अर्न्तगत रखने जरूरी हैं और जब भी इनको मांगा जायेगा तो वह इसे प्रस्तुत करेगा।
- 15.5 अनुबंधकर्ता सभी रिकार्ड मेन्टेन एवं अपडेट करेगा और कंपनी द्वारा एवं स्टेच्यूटरी ऑथोरिटी द्वारा मांगने पर प्रस्तुत करेगा।
- 15.6 अनुबंधकर्ता को उसके सभी दावों और उसके सभी प्रत्यक्ष या परोक्ष कर्मचारियों की देनदारी के खिलाफ कंपनी को क्षतिपूर्ति रखना होगा। किसी कर्मचारी को (कंपनी, कर्मचारी सहित)किसी भी प्रकार की हानि, दुर्घटना होती है तो कंपनी उसकी एवज में मुआवजे के लिए उत्तरदायी नहीं होगी। मुआवजे की वसूली अनुबंधकर्ता के मासिक बिल या अमानत राशि से वसूल होगी।
- 15.7 अनुबंधकर्ता द्वारा इस कार्य के लिए हर माह लगाये गये कर्मचारियों को भुगतान अगले महीने की सात तारीख को होगा।
- 15.8 केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा न्यूनतम पारिश्रमिक हेतु बनाये अधिनियम, प्रावधान की पालना अनुबंधकर्ता को करनी होगी। मजदूरी रजिस्टर मेन्टेन करना

होगा। साप्ताहिक अवकाश प्रदान करना होगा और सामयिक रिटर्न स्टेट्यूटरी ओथरिटी को भेजना होगा। समय-समय पर आफिसर इन्चार्ज को इसकी प्रति जांच हेतु उपलब्ध करवानी होगी।

15.9 अगर अनुबन्धकर्ता अंश प्रदान या किसी राशि के भुगतान करने में त्रुटि करता है तो कंपनी स्वयं अगर चाहे तो ऐसी राशि का भुगतान अनुबंधकर्ता के एवज में कर सकती है और यह भुगतान अनुबंधकर्ता के बिलों में से कटौती करके वसूली जायेगी।

15.10 अनुबंधकर्ता को श्रम लाईसेंस की प्रति कार्य प्रारंभ करने से पहले प्रस्तुत करनी होगी।

15.11 अनुबंधकर्ता को सभी कामगारों का बीमा कराना होगा और इसकी प्रति आरएसएमएम को देनी होगी।

16.0 अनुबंधकर्ता के अन्य दायित्वः

16.1 अनुबंधकर्ता उसके कर्मचारी/श्रमिकों को रहने के लिए स्थान, पीने का पानी, मेडिकल सुरक्षा के लिए उत्तरदायी होगा।

16.2 इस कार्य को निष्पादित करने हेतु काम में आने वाले टूल्स को देने की जिम्मेदारी अनुबंधकर्ता की होगी।

16.3 अनुबंधकर्ता द्वारा लगाये कर्मचारी/श्रमिक की दुर्घटना होने पर स्वयं उत्तरदायी होगा और अगर अनभिज्ञता के कारण तीसरी पार्टी को नुकसान होता है तो अनुबंधकर्ता जिम्मेदार होगा और तीसरी पार्टी द्वारा कोई दावा किया जाता है तो भी अनुबंधकर्ता ही इसके लिए जिम्मेदार होगा।

16.4 किसी न्यायिक व कानूनी बाध्यता को पूरा करने में आने वाले खर्च के लिए अनुबंधकर्ता जिम्मेदार होगा।

16.5 अनुबंधकर्ता द्वारा लगाये गये श्रमिक/कर्मचारी की सुरक्षा एवं अनुपासन की जिम्मेदारी अनुबंधकर्ता की होगी।

16.6 कंपनी किसी भी स्थिति में उपरोक्त दायित्वों के संदर्भ में किये गये वाद के लिए उत्तरदायी नहीं होगी अगर किसी स्थिति में खर्च कंपनी द्वारा किया जाता है तो कंपनी अनुबंधकर्ता के बिल, अमानत राशि में से उसे रिकवर करने का अधिकार रखती है।

16.7 भविष्य में लागू होने वाले समस्त प्रकार के कर, टेक्स इत्यादि के लिए अनुबंधकर्ता स्वयं के लिए उत्तरदायी होगा।

17-0 (L1) निविदादाता निर्धारित करने का आधार :

जिस निविदादाता की प्रतिमाह प्रति कनेक्शन दर सबसे कम होगी वही L1 होगा।

18. **क्षतिपूर्ति** : अनुबंधकर्ता संस्थान की सम्पत्ति को किसी प्रकार की क्षति पहुँचायेगा तो उसकी भरपाई अनुबंधकर्ता को करनी होगी।

19. **जोखिम एवं लागत** : अनुबंध दायित्व निर्धारित अवधि में पूरा न करने की स्थिति में कंपनी को अनुबंधकर्ता की अमानत राशि जब्त करने एवं अनुबंधकर्ता के बकाया बिलों को जब्त करने का अधिकार है। कंपनी अनुबंधकर्ता की जोखिम एवं लागत पर यह कार्य तीसरी पार्टी से करवा सकती है।

20. **न्याय क्षेत्र** : इस अनुबंध से संबंधित किसी भी प्रकार का विवाद होने पर न्याय क्षेत्र उदयपुर – राजस्थान होगा। विवाद को निपटाने की प्रक्रिया की समयावधि में अनुबंधकर्ता अपने कार्य को चालू रखेगा।

21. **शपथ** : मैं/हम यह घोषणा करते हैं कि मैंने/हमने निविदा की सारी शर्तों, अनुबंध की प्रकृति, उसका कार्यक्षेत्र, अनुबंध की अवधि को पढ़ एवं समझ लिया

है और हमने निविदा प्रपत्र के सभी पृष्ठ पर हस्ताक्षर कर दिए हैं इसे हमारी तरफ से निविदा की सभी शर्तों की स्वीकृति माना जाये ।

अनुबन्धकर्ता के हस्ताक्षर

नाम.....

पता.....

अनुभाग – तृतीय

1. **कार्यक्षेत्र** : आर.एस.एम.एम. लिमिटेड के एसबीयू एण्ड पीसी रॉक फॉस्फेट की झामरकोटड़ा खदान स्थित बेसकेम्प एवं बाघदड़ा आवासीय कॉलोनियों में निवासरत कर्मचारियों के लगभग 100 ± 10 प्रति आवासों में (बेसकेम्प कॉलोनी 32 एवं बाघदड़ा कॉलोनी 68) टी.वी. केबल कनेक्ट न्स सेट टॉप बॉक्स सहित, जिसमें 90 चैनल्स तथा जी.टी.वी., स्टार, सोनी एवं उदयपुर के समस्त स्थानीय चैनल्स एवं अन्य चैनलों, के सुचारू रूप से संचालन, देखभाल, मरम्मत आदि के कार्यों को सम्पादित करना । बेसकेम्प एवं बाघदड़ा आवासीय कॉलोनियों में निवासरत कर्मचारियों के सभी 100 आवासों में नई फाइबर केबल, अनुबन्धकर्ता को स्वयं के खर्चे पर कार्यादेश जारी होने के 15 दिन के अन्दर बिछानी होगी । वर्तमान में उपरोक्त आवासीय कॉलोनियों में फाइबर केबल वर्तमान अनुबन्धकर्ता द्वारा बिछाई गई है और उसका अनुबन्ध दिनांक 15-01-2019 को समाप्त हो रहा है।
2. **कार्यावधि** : कार्यादेश जारी करने की तिथि से तीन वर्ष तक अर्थात् यह अनुबन्ध तीन वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत किया जावेगा । कार्य अवधि समाप्त होने के पश्चात **राजस्थान ट्रान्सपरेन्सी एक्ट** के तहत कार्य की अवधि को समान शर्तों पर बढ़ाया जा सकता है, जिसका अधिकार आरएसएमएमएल के पास होगा।
- 3.0 **बिलों का भुगतान** :
- 3.1 बिलों का भुगतान : अनुबन्धकर्ता को बिलों का भुगतान प्रतिमाह किया जायेगा ।
- 3.2 अनुबन्धकर्ता अपने बिल प्रतिमाह श्रम कल्याण अधिकारी, झामरकोटड़ा को प्रस्तुत करेगा जिसको लेखा शाखा में भुगतान हेतु भेजा जायेगा ।
- 3.3 उपरोक्त उल्लेखित समस्त कार्यों के सम्पादन का भुगतान प्रतिमाह किया जायेगा, जिसमें 100 आवासों में (बेसकेम्प एवं बाघदड़ा कॉलोनी) 10 प्रति आवासीय कमी या बढ़ोतरी पर दर समान रहेगी तथा सभी प्रकार के टेक्स एवं सर्विस टेक्स सम्मिलित हैं ।
- 3.4 कॉलोनी में निवासरत कर्मचारियों के आवासों में टी.वी. केबल कनेक्शन प्रभारी अधिकारी की पूर्व लिखित अनुमति पर होंगे । बिना लिखित स्वीकृति के कनेक्शन नों का भुगतान नहीं होगा ।
- 3.5 अनुबन्धकर्ता को हर माह के मासिक बिल के साथ पी.एफ. चालान की कॉपी और एक स्टेटमेन्ट जिसमें श्रमिक एवं कर्मचारी का नाम उसको दी जाने वाली मजदूरी का विवरण उनके बिलों में से काटी गई भविष्य निधि की राशि एवं नियोक्ता के अंशदान से संबंधित सभी विवरण संलग्न करने होंगे ।
- 3.6 साधारणतया मासिक बिलों का भुगतान वैधानिक कटौती करने के बाद बिल प्रस्तुत करने के 15 दिन की अवधि के अन्दर रेखांकित चेक के द्वारा कर दिया जायेगा ।
- 3.7 ठेकेदार प्रत्येक बिल के साथ जीएसटी जमा कराने का विवरण देगा ।
- 4.0 **संस्थान की सम्पत्ति की हानि** : अनुबन्धकर्ता/ठेकेदार स्वयं/उसके कर्मचारी कार्य के दौरान संस्थान की सम्पत्ति को नुकसान पहुँचाते हैं तो उसकी भरपाई जमा अमानत राशि या रनिंग बिल में से कटौती करके की जायेगी ।
- 5.0 **सबलेट (Sublet)** : अनुबन्धकर्ता अपने अनुबन्ध के तहत कार्यों को पूर्ण या आंशिक रूप से किसी अन्य फर्म/व्यक्ति को सबलेट नहीं कर सकता है । इसकी अवहेलना करने की स्थिति में कम्पनी प्रबन्धन को यह अधिकार है कि अनुबन्ध समाप्त किया जावे या उपरोक्त सक्रिय अनुबन्ध को अनुबन्धकर्ता की जोखिम और लागत पर किसी अन्य एजेन्सी से पूर्ण करवा सके । ऐसी दशा में होने वाली समस्त हानि की पूर्ण जिम्मेदारी अनुबन्धकर्ता की होगी ।
- 6.0 **Recovery of claim against the contractor:**
अगर अनुबन्धकर्ता के विरुद्ध कोई क्लेम आता है जो इस अनुबन्ध से संबंधित या असंबंधित हो सकता है, कंपनी इस दशा में अमानत राशि में से पूरा का पूरा या कुछ हिस्सा वसूल कर सकती है अगर अमानत राशि कम पडती है तो इस दशा में क्लेम की वसूली हेतु शेष राशि को अनुबन्धकर्ता की अन्य बकाया राशि/बिलों में से कटौती करके पूरा कर सकते हैं । अगर फिर भी क्लेम पूराका पूरा सेटल नहीं होता है तो शेष राशि की मांग कंपनी अनुबन्धकर्ता से कर सकती है ।



राजस्थान स्टेट माइन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

(राजस्थान सरकार का प्रतिष्ठान)

एसबीयू एण्ड पीसी रॉक फॉस्फेट,

झामरकोटड़ा खदान, उदयपुर – 313015

दूरभाष संख्या : Phone : 2342441-45, Fax : 0294-2342444

निविदा संख्या आरएसएमएम/फोस/श्र.क./केबल/18-19/01

दिनांक : 19.01.2019

निविदादाता से संबंधित सामान्य जानकारी

1. निविदादाता का नाम एवं पता		
2. संबंधित व्यक्ति का नाम, दूरभाष नम्बर, फेक्स नं./ ईमेल		
3. व्यक्तिगत/ फर्म/ कम्पनी		
4. समामेलन की तिथि/ साझेदारी संलेख/ समामेलन का सर्टिफिकेट		
5. पार्टनर / संचालको के नाम		
6. बैंकर का नाम एवं पता		
7. पेन संख्या – PAN No.		
GST no.		
8. पी.एफ. खाता संख्या		
9. निविदादाता अन्य कोई व्यवसाय करता है तो उसका विवरण		
10. अन्य		

अनुबन्धकर्ता की सील
सहित हस्ताक्षर

घोषणा

(निविदादाता फर्म के लेटर हेड पर होनी चाहिए)

मैं/हमने कोई भी अन्य शर्त संलग्न नहीं की है और न ही निविदा की शर्तों में कोई अन्तर है अगर कोई अन्य शर्त एवं अन्तर दर निविदा में पाई जाती है तो इसे हमारी तरफ से निरस्त समझा जाए और उसे ध्यान न रखा जाये ।

अनुबन्धकर्ता की सील
सहित हस्ताक्षर

तिथि :

स्थान -

शपथ पत्र
(10रु. के गैर न्यायिक का स्टाम्प पेपर पर)

मैंपुत्र श्री.....उम्र.
..... वर्ष निवासी.....
निविदादाता के एवज में मैसर्स..... शपथ लेता हूँ
और निम्न घोषणा करता हूँ कि:

1. कि मैंनिविदा प्रस्तुत कर रहा हूँ ।
2. कि मैं/हमने निविदा प्रपत्र की सारी शर्तों को पढ लिया है ।
3. कि मेरे द्वारा इस कार्य को सम्पादित करने हेतु लगाये गये श्रमिकों/कर्मचारी के संदर्भ में मेरे उपर ईपीएफ और एमपी अधिनियम,1952 ओर बाद में आये गये संशोधन, अधिसूचना सहित लागू नहीं होती है ।
4. अनुबंध की अवधि के दौरान मैं/हम अगर ईपीएफ एवं एमपी एक्ट,1952 संशोधन, अधिसूचना के अर्न्तगत आए तो मैं/हम खुद को पीएफ आयुक्त के समक्ष पंजीकृत करवा लेंगे ।

साक्षी
प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता

सत्यापन

मैं /हम (साक्षी) शपथ लेते हैं कि उपर दी गई जानकारी मेरे ज्ञानानुसार सही एवं सत्य है कोई भी हिस्सा गलत नहीं है कुछ भी महत्वपूर्ण छुपाया नहीं गया है अतः भगवान मेरी मदद करे ।

साक्षी
प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता

शपथ पत्र
(50 रुपये के गैर न्यायिक स्टाम्प पेपर पर)

टेण्डर नम्बर :

Name of Tenderer.....

I.....S/o Shri.....aged..... Years,
resident of..... on behalf of the tenderer i.e.
M/s..... hereby undertake oath and
state as under:-

- (1) I / We are not having or had any litigation with the RSMML/any other company in relation to the work. In case of litigation with RSMM or any other company, I/we hereby undertake that such litigation will not restrict me/us in smooth execution of tendered work.
- (2) I / We have not been banned or suspended /de-listed by RSMML.
- (3) I / We declare that I/We have not mentioned any exception /deviation of the tender conditions anywhere else in our offer &
- (4) I / We declare that price bid is in prescribed & no conditions are attached to it.Even if any conditions /s found, those would be ignored at the risk & cost of us.
- (5) That we are registered under MSMED act & the registration number of the firm is..... (Copy enclosed).

Or

That we are not registered under MSMED act.

- (6) I/We do hereby declare that I/We have fully read and understood the purpose and contents of all the terms and conditions of this contract, nature, quantum, contract period and scope of work of the tender document and all terms& conditions of this tender and these are acceptable to we/us.
- (7) I/We do hereby declare that I/We have fully read and understood the provision of Rajasthan Transparency in public procurement Rules 2013 and all terms& conditions mentioned therein are acceptable to we/us.
- (8) I hereby declare that as on date no default has been made by us towards payment of GST and all returns up to the last date of submission of bid have been filled by us.”

Signature of Tenderer (s)

(Authorised Signatory)

With seal

Place:

Date:

Compliance with the Code of integrity and No Conflict of Interest

Any person participating in a procurement process shall:

- (a) not offer any bribe, reward or gift or any material benefit either directly or indirectly in exchange for an unfair advantage in procurement process or to otherwise influence the procurement process.
- (b) not misrepresent or omit that misleads or attempts to mislead so as to obtain a financial or other benefit or avoid an obligation.
- (c) not indulge in any collusion, Bid rigging or anti competitive behavior to impair the transparency, fairness and progress of the procurement process;
- (d) not misuse any information shared between the procuring Entity and the Bidders with an intent to gain unfair advantage in the procurement process;
- (e) not indulge in any coercion including impairing or harming or threatening to do the same, directly or indirectly, to any party or to its property to influence the procurement process.
- (f) not obstruct any investigation or audit of a procurement process.
- (g) disclose conflict of interest, if any; and
- (h) disclose any previous transgressions with any Entity in India or any other country during the last three years or any debarment by any other procuring entity.

Conflict of Interest:

The Bidder participating in a bidding process must not have a Conflict of Interest.

A Conflict of Interest is considered to be a situation in which a party has interests that could improperly influence that party's performance of official duties or responsibilities, contractual obligations, or compliance with applicable laws and regulations.

- i. A Bidder may be considered to be in Conflict of Interest with one or more parties in a bidding process if, including but not limited to:
 - a. have controlling partners/shareholders in common; or
 - b. receive or have received any direct or indirect subsidy from any of them; or
 - c. have the same legal representative for purposes of the Bid; or
 - d. have a relationship with each other, directly or through common third parties, that puts them in a position to have access to information about or influence on the Bid of another bidder, or influence the decisions of the Procuring Entity regarding the bidding process; or
 - e. the Bidder participates in more than one Bid in a bidding process. Participation by a Bidder in more than one Bid will result in the disqualification of all Bids in which the Bidder is involved. However, this does not limit the inclusion of the same subcontractor, not otherwise participating as a Bidder, in more than one Bid; or
 - f. the Bidder or any of its affiliates participated as a consultant in the preparation of the design or technical specifications of the Goods. Works or Services that are the subject of the Bid; or
 - g. Bidder or any of its affiliates has been hired (or is proposed to be hired) by the Procuring Entity as engineer-in-charge/consultant for the contract.

Declaration by the Bidder regarding Qualifications

Declaration by the Bidder

In relation to my/our Bid submitted to For procurement of
..... in response to their Notice Inviting Bids No.
Dated I/We hereby declare under Section 7 of Rajasthan Transparency in
Public Procurement Act, 2012, that:

1. I/we possess the necessary professional, technical, financial and managerial resources and competence required by the Bidding Document issued by the Procuring Entity.
2. I/we have fulfilled my/our obligation to pay such of the taxes payable to the Union and the State Government or any local authority as specified in the Bidding Document.
3. I/we are not insolvent, in receivership, bankrupt or being wound up, not have my/our affairs administered by a court or a judicial officer, not have my/our business activities suspended and not the subject of legal proceedings for any of the foregoing reasons.
4. I/we do not have, and our directors and officers not have, been convicted of any criminal offence related to my/our professional conduct or the making of false statements or misrepresentations as to my/our qualifications to enter into a procurement contract within a period of three years preceding of commencement of this procurement process, or not have been otherwise disqualified pursuant to debarment proceedings;
5. I/we do not have a conflict of interest as specified in the Act, Rules and the Bidding Document, which materially affects fair competition;

Date

Place

Signature of bidder

Name:

Designation:

Address:

The designation and address of the First Appellate Authority is –

Principal Secretary to the Government of Rajasthan,
Department of Mines & Petroleum,
Secretariat,
Jaipur

The designation and address of the Second Appellate Authority is –

Principal Secretary to the Government of Rajasthan,
Department of Finance,
Secretariat,
Jaipur

(1) Filing an appeal

If any Bidder or prospective bidder is aggrieved that any decision, action or omission of the Procuring Entity is in contravention to the provisions of the Act or the Rules or the Guidelines issued thereunder, he may file an appeal to First Appellate Authority, as specified in the Bidding Document within a period of ten days from the date of such decision or action, omission, as the case may be, clearly giving the specific ground or grounds on which he feels aggrieved:

Provided that after the declaration of a Bidder as successful the appeal may be filed only by a Bidder who has participated in procurement proceedings:

Provided further that in case a Procuring Entity evaluates the Technical Bids before the opening of the Financial Bids, an appeal related to the matter of Financial Bids may be filed only by a Bidder whose Technical Bid is found to be acceptable.

(2) The officer to whom an appeal is filed under para (1) shall deal with the appeal as expeditiously as possible and shall endeavour to dispose it of within thirty days from the date of appeal.

(3) If the officer designated under para (1) fails to dispose of the appeal filed within the period specified in para (2), or if the Bidder or prospective bidder or the Procuring Entity is aggrieved by the order passed by the First Appellate Authority, the Bidder or prospective bidder or the Procuring Entity, as the case may be, may file second appeal to Second Appellate Authority specified in the Bidding Document in this behalf within fifteen days from the expiry of the period specified in para (2) or of the date of receipt of the order passed by the First Appellate Authority, as the case may be.

(4) Appeal not to lie in certain cases

No appeal shall lie against any decision of the Procuring Entity relating to the following matters, namely:-

- (a) determination of need of procumbent;
- (b) provisions limiting participation of Bidders in the bid process;
- (c) the decision of whether or not to enter into negotiations;
- (d) cancellation of a procurement process;
- (e) applicability of the provisions of confidentiality.

(5) Form of Appeal

- (a) An appeal under para (1) or (3) above shall be in the annexed Form along with as many copies as there are respondents in the appeal.
- (b) Every appeal shall be accompanied by an order appealed against, if any, affidavit verifying the facts stated in the appeal and proof of payment of fee.
- (c) Every appeal may be presented to First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, in person or through registered post or authorized representative.

(6) Fee for filing appeal

- (a) Fee for first appeal shall be rupees two thousand five hundred and for second appeal shall be rupees ten thousand, which shall be non refundable.
- (b) The fee shall be paid in the form of bank demand draft or banker's cheque of Scheduled Bank in India payable in the name of Appellate Authority concerned.

(7) Procedure for disposal of appeal

- (a) The first Appellate Authority or Second Appellate Authority as the case may be, upon filing of appeal, shall issue notice accompanied by copy of appeal, affidavit and document, if any, to the respondents and fix date of hearing.
- (b) On the date fixed for hearing, the First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, shall:-
 - (i) hear all the parties to appeal present before him; and
 - (ii) peruse or inspect documents, relevant records or copies thereof relating to the matter.
- (c) After hearing the parties, perusal or inspection of documents and relevant records or copies thereof relating to the matter, the Appellate Authority concerned shall pass an order in writing and provide the copy of order to the parties to appeal free of cost.
- (d) The order passed under sub-clause(c) above shall also be placed on the State Public Procurement Portal.

Form No.1
(see rule 83)

Appeal No. of
Before the(first/second Appellate Authority)

1. Particular of appellant:
 - (i) Name of the appellant:
 - (ii) Official address, if any:
 - (iii) Residential address:
2. Name and address of the respondent(s):
 - (i)
 - (ii)
 - (iii)
3. Number and date of the order appealed against and name and designation of the officer/authority who passed the order (enclosed copy, or a statement of a decision, action or omission of the Procuring Entity in contravention to the provisions of the Act by which the appellant is aggrieved:
4. If the Appellant proposes to be represented by a representative, the name and postal address of the representative:
5. Number of affidavits and documents enclosed with the appeal:
6. Ground of appeal :
.....
.....(Supported by an affidavit)
7. Prayer:
.....
.....

Place
Date
Appellant's Signature

Annexure-D

Additional Conditions of Contract

1. **Correction of arithmetical errors**

Provided that a Financial Bid is substantially responsive, the Procuring Entity will correct arithmetical errors during evaluation of Financial Bids on the following basis:

- i. if there is a discrepancy between the unit price and the total price that is obtained by multiplying the unit price and quantity, the unit price shall prevail and the total price shall be corrected, unless in the opinion of the Procuring Entity there is an obvious misplacement of the decimal point in the unit price, in which case the total price as quoted shall govern and the unit price shall be corrected.
- ii. if there is an error in a total corresponding to the addition or subtraction of subtotals, the subtotals shall prevail and the total shall be corrected; and
- iii. if there is a discrepancy between words and figures, the amount in words shall prevail, unless the amount expressed in words is related to an arithmetic error, in which case the amount in figures shall prevail subject to (i) and (ii) above.

If the Bidder that submitted the lowest evaluated Bid does not accept the correction of errors, its Bid shall be disqualified and its Bid Security shall be forfeited or its Bid Securing Declaration shall be executed.

2. Procuring Entity's Right to Vary Quantities

- (i) At the time of award of contract, the quantity of Goods, works or services originally specified in the Bidding Document may be increased or decreased by a specified percentage, but such increase or decrease shall not exceed twenty percent, of the quantity specified in the Bidding Document. It shall be without any change in the unit prices or other terms and conditions of the Bid and the conditions of contract.
- (ii) If the Procuring Entity does not procure any subject matter of procurement or procures less than the quantity specified in the Bidding Document due to change in circumstances, the Bidder shall not be entitled for any claim or compensation except otherwise provided in the Conditions of Contract.
- (iii) In case of procurement of Goods or services, additional quantity may be procured by placing a repeat order on the rates and conditions of the original order. However, the additional quantity shall not be more than 50% of the value of Goods of the original contract and shall be within one month from the date of expiry of last supply. If the Supplier fails to do so, the Procuring Entity shall be free to arrange for the balance supply by limited Bidding or otherwise and the extra cost incurred shall be recovered from the supplier.

PROFORMA OF GUARANTEE BOND FOR SECURITY DEPOSIT

(To be issued by a PSU bank (except SBI)/ICICI/HDFC/Axis bank except SBI having its Branch office at Udaipur on non-judicial stamp paper on non-judicial stamp paper of valuing 0.25% of BG value subject to maximum of Rs. 25000 or on appropriate value *under Indian Stamp Act* prevailing on the date of issuance of BG.)

B.G. _____ Dated _____

This Deed of Guarantee made between _____ a Bank, having its registered office at

_____ and its head office at _____ and wherever the context so required include its successors and assignees (hereinafter called the Surety/Bank) AND Rajasthan State Mines and Minerals Limited, a company incorporated and registered under Indian companies Act,1956, having its registered office at C-89/90 Lal Kothi Scheme, Janpath, Jaipur and Corporate office at 4 Meera Marg, Udaipur and wherever its context so required includes its successors and assignees(hereinafter called 'the company).

Whereas the Company having agreed to exempt M/s. _____ a company/partnership firm

_____ (address of registered/H.O.) where ever the context so require includes its successors and assignees (hereinafter called 'the Contractor) from the demand under the terms and conditions of letter of Acceptance no. _____ dated _____ issued in favour of the Contractor and agreement dated _____ entered into between RSMML and M/s. _____(Contractor), hereinafter called 'the said letter of Acceptance/agreement' which expression shall also include any amendment, modification or variations thereof made in accordance with the provision thereof, of cash security deposit for the due fulfillment by the said letter of Acceptance/agreement on production of unconditional and irrevocable Bank Guarantee for Rs. _____ (Rs. _____) being equivalent to _____ % of Contract value of Rs. _____.

Now this deed witnesseth that in consideration of said bank having agreed on the request of the Contractor to stand as surety for payment of Rs. _____ as security deposit to the company subject to the following conditions.

1. We, _____(Bank) do hereby undertake to pay to the company as amount not exceeding Rs. _____ against any loss or damage caused to or suffered or would be caused to or suffered by the company by reason of any breach by the said Contractor of any of the terms and/or conditions contained in the Letter of Acceptance/Agreement The decision of the Company, as to any such breach having been committed and loss/damage suffered to shall be absolute and binding on us.
2. We, _____ (bank) do hereby undertake without any reference to the Contractor or any other person and irrespective of the fact whether any dispute is pending between the Company and the Contractor before any court or tribunal or Arbitrator relating thereto, to pay the amount due and payable under this guarantee without any demur, and/or protest merely on the very first demand from the Company stating that the amount claimed is due by way of loss or damage caused to or suffered by or would be caused to or suffered by the Company by reason of any breach by the said Contractor of any of the terms and condition contained in the said Letter of Acceptance/agreement by reason of the said Contractor 's failure to perform the covenants contained in said letter of Acceptance/agreement. Any such demand made on the bank shall be conclusive absolute and unequivocal as regards the amount due and payable by the bank under this guarantee. However, bank's liability under this guarantee shall be restricted to an amount not exceeding Rs. _____.
3. We, _____(bank) further agree that the guarantee herein above contained shall remain in full force and effect during the period that would be taken for the performance of the agreement and that it shall continue to be enforceable till all the dues of the company under or by virtue of the agreement have been fully paid and its claim/s satisfied or discharged or till the company certifies that the terms and the conditions of the said Letter of Acceptance/agreement have been fully and properly carried out by the said Contractor and accordingly discharges the guarantee, unless a demand or claim under this guarantee is made on the bank in writing on or before _____(scheduled completion date, plus six months), the bank shall be discharged from all liability under this guarantee thereafter unless otherwise further extended by the bank.
4. In order to give full effect to the guarantee herein contained the company shall be entitled to act

as if, we(bank) are your principal debtor in respect of all your claims against the Contractor hereby guaranteed by us as aforesaid and we hereby expressly waive all our rights of surety-ship and other rights, if any which are in any way inconsistent and/or contrary to the above or any other provision of this guarantee, the bank's guarantee to pay hereunder will not be determined or affected by your proceeding against the Contractor and the bank will be liable to pay the said sum as and when demanded by you merely on first demand being made on the bank by you and even before any legal or other proceedings taken against the Contractor . Any letter of demand delivered at the bank's above branch/divisional office or Udaipur branch office under the signatures of the company's Financial Advisor and/or Head of SBU & PC - Rock Phosphate or any of the Directors shall deemed to be sufficient demand under this guarantee.

5. We, _____(bank) further agree that the company shall have the fullest liberty without our consent and without affecting in any manner our obligation hereunder to vary any of the terms and conditions of the said Letter of Acceptance/agreement or to extend time of performance by the said Contractor from time to time or to postpone for any time or from time to time any of the powers exercisable by the Company against the said Contractor and to forbear or enforce any of the terms and conditions relating to the Letter of Acceptance/Agreement and we shall not be relieved from our liability by reason of any such variation or extension being granted to the said Contractor or for any fore bearance act, or omissions on the part of the company or any indulgence of the Company to the said Contractor or by any such matter or things whatsoever which under the law relating to the sureties would but for this provisions have effect of so relieving us.
6. This guarantee herein contained would come into force from the date of issue and would not be affected by any change in the constitution of the Contractor or ourselves or liquidation or winding up or dissolution or insolvency of the Contractor nor shall it be affected by any change in company's constitution or by any amalgamation or any absorption thereof or therewith but shall ensure for and be available to and enforceable by absorbing or amalgamated company or concern till the payment or amount not exceeding Rs. _____ is made by the Bank.
7. The guarantee will not be discharged or affected if the Company holds/obtain any other security/guarantee/promissory note from any person and/or the Contractor and this guarantee shall be in addition to any such guarantees.
8. We, _____(Bank) lastly undertake not to revoke this guarantee during this currency except with the previous consent of the company in writing.
9. The bank has power to issue this guarantee in favour of the Company and the undersigned has full powers to do so under power of Attorney dated _____ granted to him by the bank.
10. For the purpose of enforcing legal rights in respect of this guarantee Udaipur courts in the state of Rajasthan alone shall have jurisdiction.

IN WITNESSETH I, HEREBY _____ SON OF _____ (designation) _____ (branch) constituted attorney of the said bank have set my signatures and bank seal on this guarantee which is being issued on non-judicial stamp of proper value as per Stamp Act prevailing in the state of _____executed at _____ this the _____ day of _____20.